पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग)
पाठ्यक्रम
एम.ए.प्रवेश परीक्षा, इतिहास,
सत्र 2024–25

अंक – 100,

(अ)

1. भारत की भौगोलिक संरचना
2. प्रागैतिहासिक काल एवं सिन्धु घाटी की सभ्यता
3. वैदिक कालीन सभ्यता और संस्कृति
4. छठी शताब्दी ई.पू. में भारत की राजनीतिक स्थिति
5. जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म
6. सिकंदर का आक्रमण और उसका प्रभाव
7. मौर्यकाल तथा मौर्यकालीन प्रशासन, सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक दशा
9. हिन्द–यूनानी, शक एवं कुषाण
10. गुप्तकाल तथा गुप्तकालीन प्रशासन, सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक दशा
12. वर्धन साम्राज्य
13. दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश
14. राजपूत युग

(ब)

1. भारत में अरबों तथा तुर्कों के आक्रमण
2. दिल्ली सल्तनत – गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैयद एवं लोदी वंश
3. सल्तनत कालीन – प्रशासन, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक दशा, कला एवं संस्कृति
4. विजय नगर एवं बहमनी राज्य
5. मुगल काल – बाबर, हुमायूँ, शेरशाह, अकबर, जहांगीर, शाहजहां तथा औरंगजेब
6. मुगलकालीन – प्रशासन, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक दशा, कला एवं संस्कृति
7. शेरशाह सूरी एवं उनका प्रशासन
8. मराठों का उत्थान – शिवाजी की विजयें तथा प्रशासन, पेशवाओं के अधीन मराठा
9. भक्ति आंदोलन एवं सूफी आंदोलन
10. सिक्ख धर्म

(स)

1. भारत में यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों का आगमन
2. बंगाल में अंग्रेजी राज्य की स्थापना – प्लासी एवं बक्सर का युद्ध, घटनाएँ एवं परिणाम
3. ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीन केंद्रीय तथा प्रांतीय ढांचे का विकास (1773 ई.–1857ई.)
4. भारत में ब्रिटिश आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक नीतियाँ (1757ई.–1857ई.)
5. 1857 की क्रांति – स्वरुप, कारण, घटनाएँ, परिणाम एवं महत्व

6. 1858 के पश्चात् प्रशासनिक परिवर्तन, संवैधानिक विकास एवं भारत पर प्रभाव
7. 19 वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार
8. भारत में राष्ट्रीय जागरण का उदय एवं विकास – कांग्रेस की स्थापना, उदारवाद एवं उग्रवाद
9. गांधी युग का राष्ट्रीय आंदोलन (1920ई.–1947ई.)
10. राष्ट्रीय आंदोलन में अन्य धाराएँ– क्रांतिकारी आंदोलन, वामपंथी आंदोलन, आजाद हिन्द फौज,
11. साम्प्रदायिकता का उदय और विकास
12. भारत का संवैधानिक विकास 1919 से 1935 ई. तक
13. 1858 से 1947ई. तक ब्रिटिश युगीन भारत की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक स्थिति
14. भारत स्वतंत्रता से 1964 ई. तक

(द)

1. छत्तीसगढ़ का भौगोलिक परिचय–सीमाएं, नामकरण
2. प्राचीन कालीन छत्तीसगढ – प्रागैतिहासिक काल से पूर्व मौर्यकाल तक
3. प्राचीन कालीन छत्तीसगढ – मौर्य, गुप्त, वाकाटक, नल, राजर्षितुल्य ,शरभपुरीय, पांडु , छिन्दकनाग, सोमवंश
4. छत्तीसगढ़ में कल्चुरीकाल एवं कल्चुरी युगीन सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक दशा
5. छत्तीसगढ़ में मराठा शासन एवं मराठा युगीन सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक दशा
6. छत्तीसगढ़ में ब्रिटिश शासन एवं ब्रिटिश युगीन सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक दशा
7. छत्तीसगढ़ की जमींदारियां एवं करद राज्य तथा भारतीय संघ में विलय
8. 1857 ई. का विद्रोह एवं छत्तीसगढ़
9. छत्तीसगढ़ में स्वाधीनता आंदोलन एवं क्रांतिकारी आंदोलन 1947 ई. तक
10. छत्तीसगढ़ में किसान, मजदूर एवं जनजातीय आंदोलन
11. छत्तीसगढ़ में शैव, शाक्त, जैन, बौद्ध मत, कबीर पंथ एवं सतनाम पंथ
12. छत्तीसगढ़ की लोक कला, साहित्य एवं संस्कृति
13. छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण की पृष्ठभूमि
14. छत्तीसगढ़ के प्रमुख ऐतिहासिक स्थल एवं महान विभूतियां